सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः `02

स्वराज इंडिया 2026

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, गुरुवार, 1 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 6, पृष्ठः 8+4

इनसाइड लखनऊ में वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम गायब... >Pg12

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में जहरीले पानी से बंट रही मौत

दूषित पानी पीने से अब तक 9 की गई जान, 1000 से ज्यादा लोग बीमार

मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी पीने से हालात गंभीर हो गए हैं। पिछले कुछ दिनों में 9 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक हजार से ज्यादा लोग बीमार हैं, गंभीर हालत में करीब 150 लोग अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। बढ़ते मामलों और तीखी आलोचनाओं के बीच सरकार ने आपात कदम तेज कर दिए हैं। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए एक अधिकारी को बर्खास्त और दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इस मामले को हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को दो दिन के अंदर स्टेटस रिपोर्ट देने का आदेश दिया है।

150 लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, अभी भी सामने आ रहे हैं मरीज

दूषित पानी का कारण पानी की मेन लाइन में रिसाव बताया जा रहा है, जो शौचालय के नीचे से गुजर रही थी। रिसाव के कारण गंदा पानी पेयजल में मिल गया। इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने पुष्टि की है कि दिसंबर से अब तक 9 मौतें दर्ज हुई हैं। वहीं जिला मजिस्ट्रेट शिवम वर्मा ने बताया कि 27 अस्पतालों में 149 मरीज भर्ती हैं।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हसनी के अनुसार मरीजों में उल्टी, दस्त और निर्जलीकरण जैसे लक्षण पाए गए। उन्होंने बताया कि दूषित पानी ही इन मौतों की बड़ी वजह रहा।

प्रशासनिक स्तर पर जोनल अधिकारी शालिग्राम शितोले और सहायक अभियंता योगेश जोशी को सस्पेंड तथा उप अभियंता शुभम श्रीवास्तव को बर्खास्त कर दिया गया।स्थानीय पार्षद कमल बघेला के मुताबिक मामला तब सामने आया जब लोगों ने 25 दिसंबर को पानी में बदबू और गंदगी की शिकायत की। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने 2703 घरों का सर्वे कर लगभग 12 हजार लोगों की जांच की।

मामले की जांच के लिए ढ्स नवजीवन पंवार की अगुवाई में तीन सदस्यीय कमेटी बनी है।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अस्पतालों का दौरा कर हालात की समीक्षा की और इसे आपात स्थिति बताया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस बीच, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने सरकार को सभी प्रभावित मरीजों का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है और 2 जनवरी तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी है।

- हाई कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेकर राज्य सरकार से दो दिन में मांगी स्टेटस रिपोर्ट
- सीएम मोहनलाल यादव ने कहा आपात स्थिति, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी

सभी लोगों का मुफ्त इलाज कराया जाए: हाईकोर्ट

इंदौर में दूषित पानी से मौतें और सैकड़ों लोग बीमार स्थिति इतनी गंभीर हुई कि अब न्यायपालिका को सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा। एमपी हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने राज्य सरकार को स्पष्ट आदेश दिया है कि दूषित पानी से बीमार सभी लोगों का मुफ्त इलाज कराया जाए और 2 जनवरी तक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश की जाए। यह आदेश सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि सिस्टम को जगाने वाली सख्त चेतावनी है। देश के सबसे स्वच्छ शहरफ्र कहलाने वाले इंदौर में ऐसी घटना ने प्रशासनिक दावों की पोल खोल दी है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि जनस्वास्थ्य पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, जवाबदेही तय करनी ही होगी।

स्विट्ज़रलैंड में न्यू ईयर पार्टी के दौरान धमाका, कई मौतें

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

दिल्ली। स्विट्ज़रलैंड में नए साल के जश्न के बीच बड़ा हादसा हो गया। क्रैंस-मोंटाना शहर के लग्ज़री अल्पाइन स्की रिज़ॉर्ट स्थित ले कॉन्स्टेलेशन बार में धमाका होने से कई लोगों की मौत होने की खबर है। जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। देर रात करीब 1ः30 बजे हुए इस धमाके के बाद बार में भीषण आग लग गई, जिसमें लोगों के फंसने से अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुटी रहीं।

स्विस पुलिस के अनुसार, धमाके का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। घटना के वक्त बार में न्यू ईयर पार्टी चल रही थी और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक धमाके के बाद बार वाली बिल्डिंग पूरी तरह आग की लपटों में घिर गई। पुलिस प्रवक्ता गेटन लैथियन ने बताया कि धमाका

- क्रैंस-मोंटाना के लोकप्रिय बार में ब्लास्ट के बाद भीषण आग

अज्ञात वजह से हुआ।

क्रैंस-मोंटाना ब्रिटिश टूरिस्ट्स के बीच बेहद लोकप्रिय है और जल्द ही यहां एफआईएस वर्ल्ड कप स्कीइंग इवेंट होना है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

वंदे भारत के नीचे फंसी 10 फीट लंबी लोहे की चेन, हादसा टला

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में रोजा रेलवे स्टेशन के पास गोमतीनगर से सहारनपुर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस बड़ा हादसा होने से बच गई। यार्ड क्षेत्र में ट्रेन के नीचे पटरियों पर पड़ी लोहे की रॉड और करीब 10 फीट लंबी भारी-भरकम चेन फंस गई। ट्रेन लगभग 80 मीटर तक घिसटती चली गई। सौभाग्य से उस समय ट्रेन की गति कम थी और लोको पायलट ने भारी झटका महसूस होते ही तुरंत ट्रेन रोक दी।

जांच में पाया गया कि चेन और रॉड ने स्लीपरों को नुकसान पहुंचाया और 80 मीटर तक निशान बने दिखाई दिए। सूचना पर रेलवे अधिकारी, आरपीएफ और तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और करीब 20 मिनट की

- लोको पायलट की सूझबूझ से रोकी गई ट्रेन, करीब 80 मीटर तक घिसटती चली ट्रेन
- कोहरे और कम रफ्तार के कारण बच गई सैकड़ों यात्रियों की जान, रेलवे ने शुरू की जांच

मशक्कत के बाद ट्रैक को क्लियर किया गया। स्टेशन अधीक्षक श्रीकांत सिंह ने बताया कि ट्रेन को कोई बड़ी तकनीकी क्षति नहीं हुई है, यह बड़ी राहत है।

कुछ देर पहले गुजरी थी मिलिट्री स्पेशल ट्रेन

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वंदे भारत से ठीक पहले इसी ट्रैक से एक मिलिट्री स्पेशल ट्रेन गुजरी थी। आशंका है कि उस ट्रेन के वैगनों पर बंधे सैन्य वाहनों की सुरक्षा के लिए लगाई गई यह चेन और रॉड टूटकर पटरी पर गिर गई। वही चेन बाद में वंदे भारत के नीचे फंस गई। सुरक्षा चूक को बेहद गंभीर मानते हुए रेलवे ने स्टेशन अधीक्षक समेत पांच अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर रिपोर्ट मुरादाबाद मंडल मुख्यालय भेज दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि यह केवल हादसा था या मिलिट्री स्पेशल ट्रेन की लोडिंग में लापरवाही।

नए साल पर जनता को ग्रीन गिफ्ट

आज से फ्री खुलेगा बॉटनिकल गार्डन

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नए साल पर केडीए ने गंगा बैराज बॉटनिकल गार्डन को जनता के लिए निशुल्क खोल दिया है। 49 एकड़ में फैले इस गार्डन में पिकनिक स्पॉट और 500 मीटर लंबा पाथवे आकर्षण का मुख्य केंद्र होगा। कानपुर में नव वर्ष के पहले दिन गुरुवार को केडीए की ओर से गंगा बैराज स्थित बॉटनिकल गार्डन को आम जनमानस के लिए निशुल्क खोला जाएगा। यह उद्यान मनोरंजन के साथ-साथ पर्यटन और प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। सुबह की सैर, पिकनिक की भी सुविधा मिलेगी।

केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल, सचिव अभय कुमार पांडेय ने बुधवार को मातहतों के साथ गार्डन का निरीक्षण कर विकास कार्यों की समीक्षा की। उपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि प्रथम चरण में पार्क के प्रवेश द्वार से बोट क्लब तक के क्षेत्र में लैंडस्केपिंग का कार्य पूर्ण कराकर उसे आम जनता के लिए खोला जाए। सुबह की सैर के लिए लगभग 500 मीटर लंबा पाथवे तैयार किया जाए।

विकास के लिए 35 करोड़ रुपये स्वीकृत

पार्क में एक लॉन को पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने के निर्देश भी दिए। गंगा नदी से सटा बॉटनिकल गार्डन करीब 49 एकड़ क्षेत्रफल में फैला है। यहां विभिन्न प्रजातियों के पेड़–पौधे और वनस्पतियां लगाने के लिए केडीए ने एनबीआरआई, लखनऊ के साथ एमओयू भी किया है। गार्डन के विकास के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। शासन ने इसके विकास के लिए 35 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

ठंड में शराब का नशा सिर पर चढ़ने से फट जाती हैं दिमाग की नसें

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कंपकंपी छुड़ाने वाली ठंड में शराब की लत भी ब्रेन स्ट्रोक का कारण बन रही है। शराब पीने के बाद एहतियात नहीं बरतने पर ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और दिमाग की नसें फट जाती हैं।

दिसंबर के महीने में हैलट में आए ब्रेन हेमरेज के रोगियों की हिस्ट्री से यह पता चला है। इनमें अधिकांश रोगी 40 से 50 वर्ष आयु वर्ग के हैं। इस जाड़े में मस्तिष्क में खून थक्का जमने से पक्षाघात वाले रोगियों की तुलना में ब्रेन हेमरेज के रोगी अधिक हैं।

दिसंबर के महीने में हैलट इमरजेंसी में भर्ती हुए ब्रेन स्ट्रोक के तीन सौ रोगियों में 40 फीसदी संख्या 40 से 50 वर्ष आयु वर्ग के रोगियों की है। न्यूरो साइंसेस विभाग के प्रमुख डॉ. मनीष सिंह और मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. विशाल कुमार गुप्ता ने बताया कि 30 से 35 फीसदी रोगियों में अल्कोहल की हिस्ट्री मिली है। शराब पीने के बाद गर्मी महसूस होने के चक्कर में ठंड से बचाव के लिए एहतियात नहीं बरता। इस वजह से अचानक ब्लड प्रेशर बहुत अधिक बढ़ गया।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि जाड़े में मस्तिष्क की नसें सिकुड़ती है।

लेकिन शराब पीने के बाद ब्लड प्रेशर भी बढ़ता है और दिमाग की नसें फैलती हैं। जाड़े में शरीर नसों को सिकोड़ना चाहता है और अल्कोहल के असर से ये फैलती हैं। इसी द्वंद में नसें फट जाती हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ब्रेन अटैक के युवा रोगी अधिक आए हैं। इसके साथ ही ब्रेन हेमरेज का यह नया बढ़ता हुआ ट्रेंड है।

अंग्रेजी नव वर्ष और मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

SWACHH SURVEKSHAN
#Mera Shahar, Meri Pehchan 2023
KANPUR SMART CITY LTD
Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
G20

श्री ए० के० शर्मा, नगर विकास मंत्री

कानपुर नगर निगम

श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, महापौर

नगर निगम कानपुर

**आइए! मिलकर स्वच्छता के प्रति कदम बढ़ाए,
अपने कानपुर नगर को स्वच्छ बनाएं।**

**नगर की सफ़ाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में हमे चाहिए आपका सहयोग।
इसी क्रम में हम आपसे अपील करते है कि**

- अपने घर के कूड़े को प्रथक-प्रथक करके नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
- सड़क पर कूड़ा न फेंके।
- आस पास साफ सफाई रखें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
- प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें।
- Reduse, Reuse, Recycle की अवधारणा को अपने जीवन में आदत के रूप में ढालें।
- कानपुर नगर को साफ व स्वच्छ बनाने में कानपुर नगर निगम का सहयोग करें।

SAY NO TO PLASTIC

BAG

CLEAN UP DAY!

/KANPUR MUNICIPAL CORPORATION

श्री सुधीर कुमार (आईएएस) नगर आयुक्त

निर्धनों को वस्त्र भेंट कर नए वर्ष की खुशियां मनाई

विंटर मिशन टीम ने चलाया वस्त्र वितरण अभियान, जरूरतमंदों को दी नए साल की शुभकामनाएं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में नए वर्ष के अवसर पर विंटर मिशन टीम ने मानवता और सेवा का संदेश देते हुए निर्धन व जरूरतमंद लोगों को ऊनी वस्त्र भेंट किए। इस अभियान के माध्यम से टीम ने समाज को यह संदेश दिया कि जब तक गरीब और वंचित वर्ग का ध्यान नहीं रखा जाएगा, तब तक देश की वास्तविक तरक्की संभव नहीं है।

गुरुवार को विंटर मिशन अभियान के संयोजक, सामाजिक कार्यकर्ता और पेशे से अभियंता पंकज कुमार सिंह के नेतृत्व में गरीब व वंचित लोगों को ऊनी वस्त्र वितरित कर नए वर्ष की शुभकामनाएं दी गईं। अभियान के दौरान एजुकेशन प्रोत्साहन अभियान से जुड़े दीपक भाई पटेल ने जरूरतमंदों को टोपी और मोजे पहनाकर ठंड से राहत दिलाने में सहयोग किया।

आर्यावर्त बैंक की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी प्रतिभा शर्मा, अनिल कटियार और पूनम शर्मा ने निर्धन महिलाओं को आवश्यक वस्त्र भेंट कर शीत से बचाव में योगदान दिया। प्रतिभा शर्मा ने कहा कि दूसरों के चेहरे पर मुस्कान और खुशी लाना ही सच्ची इंसानियत है। जनहित के कार्यों में युवाओं के साथ जुड़कर उन्हें भी नई ऊर्जा मिलती है।

विंटर मिशन के संयोजक पंकज कुमार सिंह ने बताया कि टीम द्वारा मरियमपुर, सरोजनी नगर, नवाबगंज, मकड़ी खेड़ा, आवास विकास, मसवानपुर सहित कई इलाकों में जरूरतमंदों को वस्त्र वितरित किए गए। भीषण ठंड को देखते हुए मोबाइल वाहन के माध्यम से लगातार वस्त्र वितरण किया जा रहा है।

सास-बहू की जोड़ी बनी मिसाल

विंटर मिशन अभियान में सास-बहू की एक अनूठी जोड़ी भी चर्चा का विषय बनी। पूर्व बैंक अधिकारी प्रतिभा शर्मा और उनकी बहू पूनम शर्मा ने मिलकर निर्धनों की सेवा में सहभागिता निभाई। समाज में जहां अक्सर सास-बहू के रिश्तों में कटुता की बातें सुनने को मिलती हैं, वहीं इन दोनों ने लोकसेवा के माध्यम से एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया।छियासठ वर्ष की उम्र में प्रतिभा शर्मा अपनी बहू पूनम के साथ सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। दोनों न केवल निर्धन बच्चों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता करती हैं, बल्कि नियमित रूप से सामाजिक गतिविधियों में भी भाग लेती हैं। आपसी समझ और सामंजस्य के चलते यह रिश्ता सास-बहू से आगे बढ़कर मां-बेटी जैसा बन गया है, जिसे लोग सराहना की नजर से देख रहे हैं।

कानपुर नगर निगम की उत्कृष्ट कार्यशैली

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए ठोस पहल

» नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने सभी जोन के अधिकारियों के साथ पार्षदों की मीटिंग की

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम कानपुर की जनहितकारी और सक्रिय कार्यप्रणाली एक बार फिर सामने आई, जब नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय द्वारा सभी जोनों के पार्षदों के साथ क्रमवार बैठकों की शुरुआत की गई। जोन 2 के पार्षदों के साथ मोतीझील स्थित सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

अधिकारियों की ओर से नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के साथ अनूप बाजपेयी अपर नगर आयुक्त, विजय नगर जोनल अधिकारी जोन 2, विद्यासागर प्रभारी अधिकारी मार्ग प्रकाश, दिवाकर भास्कर जोनल अभियन्ता, जोनल स्वच्छता अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता जलकल जोन 2 सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में पार्कों और खेल मैदानों के सौंदर्यीकरण के लिए कार्ययोजना तैयार करने, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पार्षदों के समन्वय से करने, सीवर समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु क्षेत्र भ्रमण कर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने तथा मार्ग प्रकाश से संबंधित लंबित शिकायतों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए।

सफाई व्यवस्था को लेकर पार्षदों ने संतोष व्यक्त किया, जिसे नगर निगम की सकारात्मक उपलब्धि माना गया। साथ ही खराब सड़कों और क्षतिग्रस्त नालियों की पत्रावलियां तैयार कर तत्काल कार्य प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक के अंत में नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि नगर निगम आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जोनवार बैठकों का सिलसिला लगातार जारी रहेगा और किसी भी पार्षद की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

यह बैठक नगर निगम कानपुर की उत्तरदायी, संवेदनशील और जनहित केंद्रित कार्यशैली का सशक्त उदाहरण रही, जिससे शहर के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

बैठक में जोन 2 के वार्ड 11, 12, 24, 28, 29, 31, 41, 46, 47, 68, 73, 74 एवं 75 के पार्षदों ने प्रतिभाग किया। बैठक में उपस्थित पार्षदों में विजय लक्ष्मी यादव, पुष्पा देवी, वेद प्रकाश, निर्देश सिंह चौहान, नीलम शुक्ला, नरोत्तम कुमार, शुभम वर्मा, श्वेता गुप्ता, जितेन्द्र कुमार चैरासिया सहित अन्य पार्षदगण मौजूद रहे।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

सम्पादकीय

सेहत का नया साल

आज हम एक नये साल में प्रवेश कर रहे हैं। नववर्ष पर हम एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। मंगलकामनाएं अभिव्यक्त करते हैं। लेकिन नये वर्ष के आगमन के उत्साह में हम इकतीस दिसंबर को देर रात तक नये साल के जश्न में जुटे रहते हैं। इधर देश में प्रयोगधर्मी खानपान व नशीली पार्टियों का फैशन जैसा बन गया है। देर रात तक चलने वाली पार्टियों के बाद नये साल के पहले दिन ही हमारी नींद देर से खुलती है। फिर नये साल का पहला दिन ही सुस्ती और आलस्य के साथ शुरू होता है। कायदे से नये साल की शुरुआत एक ताजगीभरी सुबह के साथ होनी चाहिए। नये संकल्पों के लिए ऊर्जावान सुबह के साथ शुरू हो पहला दिन। निश्चित रूप से हमारा सामान्य जीवन व्यवहार बंधनों में नहीं बांधा जा सकता, लेकिन स्वस्थ जीवन के लिए कुछ नियम जरूरी भी हैं। दरअसल, नये दौर में हम, खासकर नई पीढ़ी एक अराजक जीवन जीने को अपनी शान समझती है।

अमेरिका में हुए कुछ शोधों के बाद पता चला है कि सुबह जल्दी उठना और रात को जल्दी सोना हमारी सेहत की गारंटी होती है। यह पुरानी भारतीय अवधारणा ही है। भारतीय समाज में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की प्रतिष्ठित परंपरा रही है। इस समय प्रकृति एकाग्रता–ध्यान हेतु शांत होती है। शरीर के मल स्वतः बाहर निकलने की प्रक्रिया में होते हैं। यह तथ्यपरक है कि हम जितनी जल्दी नित्यकर्म से निवृत्त होते हैं, उतने जल्दी स्वस्थ होते हैं। नया साल न तो कोई जादू है और न ही चमत्कार करने वाला होता है।

महज एक नये दिन मानक होता है। नया दिन बदलाव के संकल्प का और उससे जीवन को सुखमय बनाने का। यूं भी जब जनवरी के पहले दिन का आगमन होता है तो शीत का प्रकोप होता है, जिसके चलते जीवन की गति मंथर हो जाती है। संभवतः शीतजनित इस नीरसता व एकरसता को तोड़ने के लिए दुनिया में नववर्ष के उत्सव को बड़े पैमाने पर मनाने की परंपरा शुरू की गई होगी। सही मायनों में उत्सव का उल्लास हमारे तन–मन को स्वस्थ और मंगलमय बनाने के लिए होता है। लेकिन इस दौरान हम खानपान को लेकर अराजक व्यवहार करने लगते हैं। दरअसल, हमारा शरीर बेहद संवेदनशील व हमारी सेहत के प्रति सचेत होता है। शरीर का अपना उन्नत सुरक्षा–तंत्र लगातार हमारे स्वास्थ्य की फिक्र करता है। वह शरीर को सर्दी–गर्मी के अनुरूप अपना ताप नियंत्रित कर हमारे जीवन की रक्षा करता है। वह बार–बार संकेतों से हमें सचेत करता है। हम उसकी आवाज अनसुनी कर देते हैं। एक सीमा तक वह इसे बर्दाश्त करता है, लेकिन फिर असहाय होने की स्थिति में बीमार पड़ जाता है। अक्सर देखते हैं कि नये साल के जश्न, शादी–विवाह व मुफ्त की पार्टियों में हम जरूरत से ज्यादा खा लेते हैं। लेकिन खाने–पीने की अराजकता पेट को लगातार परेशान करती है। उत्सव व पार्टी में हम सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा खा लेते हैं। योग दर्शन बताता है कि पेट को चार भागों में मानकर दो भाग खाने के लिये, एक पानी और एक आकाश तत्व के लिये रखें। आकाश तत्व यानी खाली रखने के लिए, जिससे पाचन की क्रिया सुगम होती है।

हम किसी मशीन में भी कोई पदार्थ ठूंस–ठूंस कर भर दें, तो उसकी गति बाधित होती है।

फिर पेट तो कोमलअंगी होता है। जापान के एक द्वीप में सौ से अधिक उम्र के सैकड़ों लोग मौजूद है, जिसने पश्चिमी शोधकर्ताओं को चकित किया। शोध में पता चला कि श्रमशील व प्रसन्न रहने वाले इस द्वीप के लोगों की एक खास आदत है, जब उन्हें लगता है कि खान पर्याप्त हो गया है, तो वे थाली का खाना उसी वक्त छोड़ देते हैं। यही उनकी लंबी उम्र का राज भी है। दरअसल, भूख हमारी शारीरिक जरूरत से अधिक मानसिक होती है। बढ़ती उम्र के साथ हमारे खाने की मात्रा में कमी होनी चाहिए। हम जीने के लिये खाएं, न कि खाने के लिए जीएं। अब चाहे नये साल की पार्टी हो या कोई पर्व–त्योहार, हमें संयमित भोजन का ही उपयोग करना चाहिए। हल्का, सुपाच्य व कम भोजन जहां दवा है, वहीं गरिष्ठ व अधिक भोजन हानिकारक हो सकता है।

हम कर्तव्य के नये रन-वे पर उतरने को हैं

नरेश कौशल

यह ठीक है कि पिछले सालों में हमने खूब तरक्की की है। मगर जो तरक्की की दौड़ में पिछड़ गए हैं, उनका भी ख्याल होना चाहिए। ऊंची उड़ान के दौरान पीछे के स्याह सच को भी देखना जरूरी था। नये... यह ठीक है कि पिछले सालों में हमने खूब तरक्की की है। मगर जो तरक्की की दौड़ में पिछड़ गए हैं, उनका भी ख्याल होना चाहिए। ऊंची उड़ान के दौरान पीछे के स्याह सच को भी देखना जरूरी था। नये साल में देश को समावेशी विकास की जरूरत है। जरूरी है कि महिला आबादी के लिए न्याय व समानता यकीनी बने। सभी तबकों के लिए सुरक्षा, रोजगार व स्वच्छ पर्यावरण के दावे भी हकीकत बनें।

बीती रात सारे देश में मौज–मस्ती का माहौल रहा। लोग होटलों में लाइन लगाकर जगह तलाशते रहे। मॉल से लेकर क्लबों तक में रंगारंग कार्यक्रम व अलग–अलग मौज–मस्ती के तौर–तरीके आजमाए जाते रहे। लेकिन ऐसे शोरगुल में उस बड़ी आबादी की चीख–पुकार गुम होकर रह गयी जो सड़कों और रैन बसेरों में रात काट रही थी। समाज के आखिरी छोर पर खड़े सभी लोगों को हमें अगले सफर पर साथ लेकर चलना होगा। हम वर्ष 2026 के रन–वे पर उतरने के लिये उड़ान भर चुके हैं। अपने कर्तव्य की पेटियां बांध लें। बीते सफर में हमने जो हासिल किया और जो गंवाया, उस पर मंथन की भी जरूरत है। सरकारों ने हमें विकास की उजली तसवीर दिखायी है। इसमें दो राय नहीं है कि हमने तमाम क्षेत्रों में कामयाबी की उड़ान भरी थी। लेकिन ऊंची उड़ान के दौरान नीचे के स्याह सच को भी देखना जरूरी था। देश में बेरोजगारी कम होती नजर नहीं आई है। जब–तब सांप्रदायिकता का फन सिर उठाता रहा। आर्थिक गैर–बराबरी दूसरी बड़ी चुनौती है। अमीर और अमीर तथा गरीब ज्यादा गरीब होता रहा है। कामयाबी की उस उड़ान के वक्त धरातल की हकीकत पर नजर डालनी चाहिए थी। अब जब हम नये साल के रन–वे पर उतरने को तैयार हैं तो कृपया अपने कर्तव्य की पेटी बांध लें।

यह एक कड़वी हकीकत है कि महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय कम नहीं हुए। कई इलाकों से यौन हिंसा की खबरें अकसर आती रहीं। सेंगर प्रकरण की पूरे देश में गूंज रही। फिर देश की सबसे बड़ी अदालत ने हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर तीखी प्रतिक्रिया के बाद उसे रोक दिया। सवाल फिर वही है कि क्या एक नागरिक के रूप में हम अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते रहे? क्या हम प्रभावशाली राजनेताओं को कठघरे में खड़ा करने के लिये पीड़ित के साथ खड़े हुए? क्या हम और सरकार लोकतांत्रिक मर्यादा के साथ बंधे रहे?

पिछले दिनों आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने संसद में देश के गिग–वर्कर्स का मुद्दा उठाया, जो अपनी जान जोखिम में डालकर ग्राहकों का ऑर्डर डिलीवर करते हैं।

एक तरफ उन्हें कंपनियों के मालिकों के सख्त व्यवहार का शिकार होना पड़ता है, वहीं किसी कारण अगर ऑर्डर डिलीवरी देने में तकनीकी कारणों से देरी होती है तो उन्हें लोगों के गुस्से का शिकार बनना पड़ता है। लोग कुछ मिनट देर होने पर उन्हें अनाप–शनाप कहने से पीछे नहीं हटते। हालांकि, हाल ही में केंद्र सरकार ने गिग वर्करों के वेतन, सेवा शर्तों व चिकित्सा सुविधा देने को अनिवार्य किया, लेकिन कंपनियों के मालिक उनके वाजिब हक देने को राजी नहीं दिखते। जिसकी वजह से डिलीवरी करने वाले गिग–वर्कर आंदोलन के रास्ते चलने को तैयार बैठे हैं। छोटे दुकानदारों का अलग दर्द है कि जब से मॉल और ऑनलाइन कारोबार ने रफ्तार पकड़ी, उनका धंधा चौपट होता गया है। भले हम दुनिया में तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था की ओर उडारी भरने को उत्सुक हैं, मगर पिछड़ों व वंचितों को भी साथ लेकर चलने की दिशा में बढ़ते हुए कृपया अपने कर्तव्यों की पेटी बांध लें।

वैसे, देश में प्रधानमंत्री के उद्घोष 'न खाऊंगा और न खाने दूंगा' का मंत्र सिरे चढ़ता नजर आ रहा है। यूं तो देश में भ्रष्टाचार की कमी नहीं है लेकिन राजग सरकार व भाजपा शासित राज्यों के मंत्री आमतौर पर भ्रष्टाचार से कन्नी काटते नजर आए। वहीं यह अच्छी बात है कि राजग सरकारों ने शिक्षा नीतियों में बड़े बदलाव किए। पाठ्यक्रमों में इतिहास की जानकारी में बदलाव भले हों मगर यह सब धर्मनिरपेक्ष ढांचे में हो तो बेहतर है। यह सुनिश्चित हो कि सांप्रदायिकता के उफान की कीमत अल्पसंख्यकों को चुकानी न पड़े।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले अत्याचार की पूरी दुनिया में खासी चर्चा देखी–सुनी गई है। यह हकीकत है कि किसी समाज में धर्म व संप्रदाय के नाम पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। यह सरासर मानवता के खिलाफ अपराध कहा जाएगा। यहां हमारे देश के कर्ता–धर्ताओं को सोचना होगा कि क्या देश में कहीं धर्म व सांप्रदायिकता के आधार पर भेदभाव तो नहीं हो रहा है। कहीं बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा भारत की घटनाओं का प्रतिकार तो नहीं है? हमें भारत की सनातन परंपरा के अनुसार सभी धर्मों के लोगों की आस्था व विश्वास का सम्मान करना होगा। यह तभी होगा जब हम अपने मौलिक अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन करेंगे। तभी देश की तरक्की की उड़ान सही दिशा में होगी।

खुद को बेहतर मनुष्य बनाने की करें नई शुरुआत

सामाजिक स्वास्थ्य

कृष्ण प्रताप सिंह

याद आता है, अपने वक्त के जमीर की आवाज मिर्जा गालिब ने भी उस वक्त की लगभग इसी तरह की बेबसी को इन शब्दों में व्यक्त किया था : बस-कि दुश्वार है हर काम का आसां होना, आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसां होना।देश का दिल कहलाने वाली राजधानी दिल्ली इन दिनों जहरीले हवा-पानी के कारण अपने शहरियों की सेहत के लिए कोरोना के बाद का सबसे बड़ा संकट झेल रही है। दिल्ली के अखबारों में छपी वर्षांत छोटी-छोटी बात में जानलेवा हिंसा की खबरें चीख-चीख कर यह जता रही हैं कि उसकी सामाजिक सेहत और भी खराब है, इतनी खराब कि उसके कई निवासियों को सहज मनुष्यता से भी महरूम कर, उन्हें मनुष्य की जगह हत्यारा बना दिया है।

लेकिन दिल्ली ही क्यों, इन्हीं अखबारों में छपी गोरखपुर की उस खबर को पढ़ लें, जिसमें ग्यारहवीं के एक छात्र को ह्वाट्सएप पर लगाये उसके एक स्टेटस से ख़फ़ा सिरफिरों ने उसके कालेज में ही गोलियों से भून डाला, तो साफ हो जाता है कि शेष देश का हाल भी कुछ अच्छा नहीं है। साफ कहें तो वहां की सामाजिकता भी इतने अंदेशों के हवाले है कि सिर्फ वही अपने को सुरक्षित अनुभव कर सकते हैं, जो किसी की असुविधा के कारण नहीं हैं। लेकिन इस लिहाज से, इसके बावजूद, उनकी मुश्किलों का अंत बहुत मुश्किल है कि जो हालात हैं, उनमें बहुत चाहकर भी किसी की असुविधा का कारण न बनना संभव नहीं हो पा रहा। बढ़ता धार्मिक व साम्प्रदायिक विद्वेष और प्रदूषित राजनीतिक प्रतिद्वंद्विताएं बेतरह इसके आड़े आ रही हैं।तिस पर आम लोगों की बात करें तो वे अपने एकांत में तो अकेले हैं ही, भीड़ भरी सड़कों पर भी अकेले ही हैं। क्योंकि जब भी उनके जैसे किसी निरीह या निर्दोष पर कोई प्रहार होता है, भरी हुई सड़कें देखकर भी कुछ नहीं देखतीं। बुजदिली की शरण में चली जाती और मृत्यु से पहले ही मर जाती हैं। माब लिंचिग जैसी वारदातों के वक्त बढ़–चढ़कर बहादुरी प्रदर्शित करने वालों का पौरुष उस वक्त जानें कहां चला जाता है। शायद इसलिए कि उनके निकट मारना बचाने से बड़ा

जीवन–मूल्य हो गया है और किसी की रक्षा के लिए अपनी जान खतरे में डालने का जोखिम उन्हें इतना बड़ा लगता है कि वे उसको उठा नहीं पाते।ऐसे में जब कभी धूमधाम से आई इक्कीसवीं शताब्दी के एक चौथाई वर्ष निःशेष होने वाले हैं और बर्फीली हवाएं ठिठुरन बनकर तन–मन को बेधे जा रही हैं, आगे मनुष्य के मनुष्य ही न रह पाने के अंदेशे जताती इन खबरों के बीच जो बात सबसे ज्यादा सताती है, वह, निस्संदेह, स्मृतिशेष वीरेन डंगवाल द्वारा अरसा पहले अपनी एक कविता में पूछे गये इस सवाल के अनुत्तरित रह जाने से पैदा हुई है : आखिर हमने कैसा समाज रच डाला है, जिसमें जो कुछ भी चमक रहा है काला है? याद आता है, अपने वक्त के जमीर की आवाज मिर्जा गालिब ने भी उस वक्त की लगभग इसी तरह की बेबसी को इन शब्दों में व्यक्त किया था : बस–कि दुश्वार है हर काम का आसां होना, आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसां होना।ऐसे में यह सवाल भी बहुत स्वाभाविक है कि क्या हम अपनी मनुष्यता के लिहाज से ग़ालिब के वक्त में ही खड़े रह गये हैं? अगर नहीं तो क्यों हमारे बीच कोई इतना बेदर्द है कि इन हालात में नये साल की शुभकामनाएं देते हुए उसका कलेजा फटने को नहीं आ जाता और क्यों जगजीत सिंह की गाई इस मशहूर गजल के शायर को कहना पड़ता है कि तुमको ये नया साल मुबारक हो दोस्तो, मैं जख्म गिन रहा हूं अभी पिछले साल के!पिछला वर्ष इस तरह कलेजा निकाल कर जायेगा तो कौन इस भ्रम के सहारे खुश हो सकता है कि इक बरहमन ने कहा है कि साल अच्छा है या कि किस्से बनेंगे अबके बरस भी कमाल के। अगर पिछले साल के ज़ख्म गिनने की विडम्बना उसका साथ नहीं छोड़ती तो इस बात से क्या फर्क पड़ता है कि मीर–ए–कारवां को यह देखने की फुर्सत है या नहीं कि वह आ रहा है पांव के कांटे निकाल के!यहां कह सकते हैं कि 2025 ने बहुत से जख्म दिए तो छाती चौड़ी करने के अनेक मौके भी। लेकिन इस बात का क्या करें कि इससे यह गम गलत नहीं होता कि उसने हमें मनुष्यता के उदात्तीकरण की ओर ले जाने के बजाय उसके अवसान के अंदेशे ही प्रबल किये हैं। ये अंदेशे उत्सव बनते बड़े–बड़े युद्धों और उनमें निरीह बच्चों तक के संहारों में ही नहीं, हमारे निजी व सामाजिक जीवन की छोटी–छोटी कुटिलताओं में भी नजर आते हैं।

बकौल कविवर हरीशचंद्र पांडे, 'नया साल मुबारक हो' कहते हुए लगता है कि हम झाड़ियों के उलझाव से बाहर निकलने की कोशिश करती बैलों के गले में बंधी घंटियों में बदल गये हैं। इस खतरे की घंटी को, अभी और अभी, फौरन से पेश्तर सुने जाने की जरूरत है। इसलिए कि हमारी आज की सबसे बड़ी जरूरत मनुष्य के रूप में अपनी रक्षा की है। हम यह रक्षा कर पाये तो वह सब भी फिर से पाने की उम्मीद कर सकते हैं, जो पहले गंवा आये हैं। लेकिन नहीं कर पाये तो? इस सवाल का जवाब भला किसे मालूम नहीं? और किसे नहीं मालूम कि उससे बचने का एक ही तरीका है कि हम नये साल में प्राणपण से अपनी मनुष्यता को बचायें और बेहतर बनायें।

ड्यूटी पर मारे गए गार्ड के परिवार को मिली 13 लाख की राहत धनराशि

तहसील प्रशासन व विधायक के हस्तक्षेप के बाद निर्माण संस्था ने 13 लाख रुपये देने का किया था वादा

स्वराज इंडिया फालोअप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। गदनपुर आहार गांव स्थित निर्माणाधीन महर्षि महेश योगी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में ड्यूटी के दौरान सिक्योरिटी गार्ड की गोली मारकर की गई हत्या के मामले में प्रशासनिक हस्तक्षेप और जनप्रतिनिधियों की पहल का असर सामने आया है। पीड़ित परिवार को आर्थिक राहत देते हुए निर्माण कार्य करा रही संस्था ने 13 लाख रुपये की सहायता धनराशि प्रदान की है।

बुधवार को क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने औरंगपुर सांभी गांव पहुंचकर मृतक निर्मल सिंह चंदेल उर्फ नीरज के परिजनों को 13 लाख रुपये का चेक सौंपा। इस दौरान विधायक ने कहा कि यह सहायता तत्काल राहत के तौर पर दी गई है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मालूम हो कि

विधायक ने परिजनों को सौंपी राहत राशि की चेक

45 वर्षीय निर्मल सिंह गदनपुर अहार स्थित निर्माणाधीन विश्वविद्यालय परिसर में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर तैनात थे और परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे।

उनके परिवार में कैंसर से पीड़ित पत्नी, 12 वर्षीय पुत्री और वृद्ध मां शामिल हैं, जो पूरी तरह उन्हीं पर निर्भर थीं। यह घटना बीते शुक्रवार-शनिवार की रात उस समय हुई थी, जब उनका ड्यूटी के दौरान अलाव जलाने को लेकर साथी गार्ड अनिरुद्ध द्विवेदी से विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान अनिरुद्ध ने अपनी लाइसेंसी दोनाली बंदूक से गोली चला दी, जिससे निर्मल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने निर्माणाधीन विश्वविद्यालय गेट पर शव रखकर धरना-प्रदर्शन किया था। परिजनों ने मृतक की पुत्री की परवरिश, पत्नी के इलाज और वृद्ध मां की देखभाल के लिए 50 लाख रुपये मुआवजा और पेंशन की मांग की थी। सूचना पर मौके पर पहुंचे विधायक राहुल बच्चा सोनकर, एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित, तहसीलदार अनुभव चंद्रा और एसीपी मंजय सिंह, इंस्पेक्टर अशोक सरोज ने परिजनों से वार्ता कर स्थिति को संभाला। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों के बाद निर्माण संस्था ने आर्थिक सहायता देने पर सहमति जताई, जिसके बाद धरना समाप्त कराया गया।

ट्रक के पहियों के नीचे आने से मामा-भांजे की जिंदगी खत्म

- डिब्बे खरीदने निकले थे दोनों, एलएलआर नहरिया के पास हुआ हादसा
- पुलिस ने ट्रक कब्जे में लिया, चालक फरार; परिजनों में कोहराम

प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। स्वरूप नगर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात जीटी रोड पर एलएलआर अस्पताल नहरिया के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार मामा-भांजे को कुचल दिया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने दोनों को एलएलआर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

चौबेपुर के कंजती गांव निवासी 25 वर्षीय शिवम शर्मा अपने सगे मामा, घाटमपुर के शीतलपुर निवासी 27 वर्षीय शिवाकांत के साथ बेकरी चलाता था। 31 दिसंबर के ऑर्डर पूरे करने के लिए देर रात दोनों बाइक से जरीब चौकी चौराहे पर पैकिंग के डिब्बे खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान रावतपुर से रामादेवी की ओर जा रहे ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी और घसीटते हुए निकल गया। पुलिस ने नजीराबाद चौराहे के पास ट्रक को पकड़ लिया, जबकि चालक फरार हो गया। मोबाइल फोन से पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई तो घरों में कोहराम मच गया। एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह के मुताबिक, आरोपी चालक की तलाश जारी है, तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

धान से भरी गाड़ी लेकर भागने वाला ड्राइवर गिरफ्तार, 1.40 लाख रुपए बरामद

- उत्तरीपूरा मंडी से धान लदी गाड़ी लेकर फरार हो गया था चालक
- पुलिस ने न्यायालय में पेशी कराने के बाद आरोपी को भेजा जेल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर नगर)। उत्तरीपूरा मंडी में धान से लदी गाड़ी को फर्म पर खाली किए बिना गायब करने के मामले में बिल्हौर पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 लाख 40 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार मिर्जापुर जनपद के कछवा थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरिया महामलपुर निवासी व्यापारी अंबिका प्रसाद जायसवाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 13 दिसंबर 2025 को उन्होंने धान से भरी गाड़ी संख्या यूपी 16 केटी 4424 (वजन 141.50 कुंतल, कीमत 3,21,912 रुपए) उत्तरीपूरा स्थित फर्म मैसर्स प्यारे लाल राहुल कुमार को बेची थी। आरोप है कि गाड़ी 14 दिसंबर को उत्तरीपूरा मंडी समिति में प्रवेश के बाद कंप्यूटरीकृत धर्मकांटे पर खड़ी कराई गई, लेकिन दो दिन तक धान खाली नहीं कराया गया।

17 दिसंबर को चालक द्वारा गाड़ी लेकर फरार होने की जानकारी मिली। चालक देवेंद्र कुमार ने फोन पर धान खाली कराने और भाड़ा लेने की बात कही, लेकिन धर्मकांटे की पर्ची मांगने पर मोबाइल बंद कर लिया।

वादी का आरोप है कि चालक और संबंधित फर्म ने उन्हें गुमराह किया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से देखते हुए चालक और फर्म मालिक पर मुकदमा दर्ज किया गया था।जिसके बाद जाँच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी चालक देवेंद्र कुमार पुत्र खजान सिंह, निवासी जीवाराम नगला, थाना मखीमपुर पाली, जनपद अलीगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से 1.40 लाख रुपए बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार मामले से जुड़े अन्य बिंदुओं की जांच की जा रही है।

ग्राम पंचायत घाघू सहित समस्त क्षेत्र वासियों को नववर्ष की हार्दिक बधाई

गरीबों का मसीहा

प्रमोद कुमार

ग्राम प्रधान घाघू
विकास खण्ड रसूलाबाद
कानपुर देहात

ग्राम पंचायत मलखानपुर की महान जनता जनार्दन को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अरुण यादव (समाजसेवी)
साधना यादव (ग्राम प्रधान)

नववर्ष,मकर संक्राति व गणतंत्र दिवस की हीकेपुर ग्राम पंचायत वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आपके सुख दुःख का साथी

मनोज यादव
(ग्राम प्रधान)
आदित्य शुक्ला
(सचिव)

तिश्ती ग्राम पंचायत वासियों को नए साल की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

जयकिशन यादव (ग्राम प्रधान तिश्ती)
सौरभ तिवारी (सचिव)

समस्त क्षेत्र वासियों को नववर्ष,मकर संक्रान्ति व गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आपका सेवक

बलवान सिंह यादव

ग्राम प्रधान औरंगपुर गहदेवा
विकास खण्ड रसूलाबाद
कानपुर देहात।

उसरी ग्राम पंचायत वासियों को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हरगोविन्द सिंह नेता
(समाजसेवी)
साधना देवी ग्राम प्रधान उसरी रसूलाबाद

गदाईपुर ग्राम पंचायत सहित समस्त क्षेत्र वासियों को नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शिवसिंह यादव
(ग्राम प्रधान)
उमेन्द्र सिंह यादव
(समाजसेवी)

सौ.से- हमारा पम्प आरएस
गदाईपुर,रसूलाबाद कानपुर देहात।

टिपटिया ग्राम पंचायत की सम्मानित जनता जनार्दन को नव वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आपका सेवक

अंकुर बाजपेई
पुत्र श्रीकृष्ण बाजपेई
(पूर्व प्रधान) ब्लॉक रसूलाबाद कानपुर देहात

समस्त छात्र-छात्राओं,शिक्षकों व अभिभावकों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

जनता इण्टर कॉलेज कहिंजरी

कमलाकांत त्रिवेदी
(प्रबंधक)
वीरभान सिंह
प्रधानाचार्य

असालतगंज जिला पंचायत क्षेत्र के सभी नागरिकों को नूतन वर्ष की ढेरों शुभकामनाएं

हर दिल अजीज

कुँ. अनुरुद्ध प्रताप सिंह राजावत
(मुन्ना सिंह)
पूर्व प्रधान सुजानपुर ब्लॉक रसूलाबाद कानपुर देहात।

सर्दी से राहत देने के लिए पूर्व प्रधान के पुत्र ने बांटे कंबल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में नव वर्ष के उपलक्ष्य में गुरुवार को सलेमपुर महेरा में पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजा बेटी सिंह गौर के आवास पर किसान यूनियन के दिवंगत नेता राघवेंद्र सिंह छुन्ना की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर जरूरतमंद लोगों को कम्बल बांटें गए।

उनके बेटे शैलेंद्र सिंह गौर ने करीब 200 जरूरतमंद लोगों को अपने पिता की याद में कंबल वितरित किए तो वहीं करीब 51 सम्भ्रांत नागरिकों को शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। वहीं बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने छुन्ना सिंह गौर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सत्संग मंडल के कोषाध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने कहा कि राघवेंद्र सिंह छुन्ना एकमात्र ऐसे शख्स थे जो लोगों की लड़ाई अपने दम पर लड़ जाते थे ।

उन्होंने कहा कि उनके नक्शे कदम पर चलकर उनके पुत्र शैलेंद्र सिंह भी लोगों की मदद करेंगें और ग्राम पंचायत वासियों के सुख दु:ख के साथी बनेंगे। इस मौके पर प्रमुख रूप से बड़े तोमर,गणेश मिश्रा, सुरेंद्र सिंह एडवोकेट, जगरूप सिंह,धर्मेंद्र सिंह,लाखन सिंह, अनुपम यादव, पप्पू दुबे, बीपी सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

दो युवकों की खुदकुशी, सचेंडी में डीजे संचालक और बिठूर में किशोर ने दी जान, जांच में जुटी पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सचेंडी और बिठूर में दो युवकों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सचेंडी में आकाश (28) ने रात तीन बजे लौटने के बाद कदम उठाया। वहीं, बिठूर में नितिन (19) ने घरेलू विवाद के चलते जान दे दी।

कानपुर के सचेंडी और बिठूर थाना क्षेत्र में दो युवकों ने फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम भेज दिया। सचेंडी निवासी विनोद पासवान का बेटा आकाश (28) शटरिंग और डीजे का काम करता था। परिवार में बड़ा भाई नीशू, बहन मोनी और मां शिवदेवी हैं। परिजनों ने बताया कि बुधवार देर रात तीन बजे वह घर लौटा था।इसके बाद उसने अंदर के कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी।

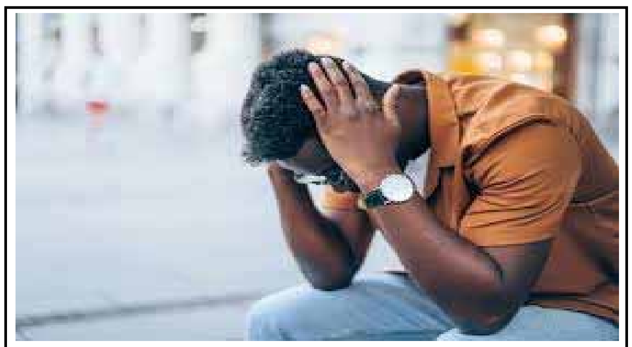

गुरुवार सुबह माता-पिता ने खिड़की से शव लटका देखा, तो कोहराम मच गया। इसी प्रकार बिठूर निवासी नितिन राजपूत (19) ने बुधवार देर रात फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों ने घरेलू कलह की बात बताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पेचबाग के कपड़ा गोदाम में भीषण आग, डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद काबू

» शॉर्ट सर्किट से लगी आग, पांच दमकल गाड़ियों से बुझाई गई लपटें

समय रहते कार्रवाई, वरना पड़ोस के गोदाम भी चपेट में आते

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बेकनगंज थाना क्षेत्र स्थित पेचबाग इलाके में बुधवार रात कपड़े के गोदाम में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। धुएं और लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने तुरंत दमकल विभाग, पुलिस व बिजली विभाग को सूचना दी। मौके पर एसीपी अनवरगंज अभिषेक कुमार राहुल, लाटूश रोड फायर स्टेशन के अग्निशमन अधिकारी कैलाश चंद्रा सहित टीम पहुंची। सुरक्षा के लिए इलाके की बिजली सप्लाई भी बंद कराई गई।करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत और पांच दमकल गाड़ियों के पानी से आग पर काबू पाया गया।

यह गोदाम कर्नलगंज के छोटे मियां हाता निवासी मो. शामी का है, जिसे वह अपने बेटों सैफ और अम्मार के साथ संचालित करते हैं। पहली मंजिल पर स्थित गोदाम में जैकेट का भारी स्टॉक रखा था। अधिकारी कैलाश चंद्रा ने बताया कि आग का प्रमुख कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत होता है। समय रहते कार्रवाई न होती तो पूरा गोदाम राख हो जाता और आसपास के गोदाम भी इसकी चपेट में आ सकते थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

नए साल में युवाओं को बड़ा तोहफा

डेढ़ लाख सरकारी नौकरियां देगी योगी सरकार

31 दिसंबर की शाम 32000 पुलिस कर्मियों की नौकरी निकालकर योगी सरकार ने युवाओं को किया खुश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। नए साल की शुरुआत उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी लेकर आई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार वर्ष 2026 में युवाओं को डेढ़ लाख सरकारी नौकरियों का अवसर देने जा रही है। सरकार की इस घोषणा को रोजगार के मोर्चे पर अब तक की सबसे बड़ी पहल माना जा रहा है, जिससे लाखों परिवारों की उम्मीदों को नया सहारा मिलेगा।

सरकारी योजना के अनुसार सबसे अधिक भर्तियां पुलिस और शिक्षा विभाग में की जाएंगी। दोनों विभागों में 50-50 हजार पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किए जाएंगे।

पुलिस विभाग में आरक्षी, उपनिरीक्षक और अन्य पद शामिल होंगे, जबकि शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक से लेकर प्रधानाचार्य तक के पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी।इसके अलावा राजस्व विभाग में 20 हजार पदों पर भर्ती प्रस्तावित है, जिनमें बड़ी संख्या लेखपाल पदों की होगी। लेखपाल भर्ती के लिए 7,994 पदों का विज्ञापन पहले ही जारी किया जा चुका है, जबकि शेष पदों पर नए साल में प्रक्रिया शुरू होगी। वहीं कारागार, आवास विकास, बाल विकास पुष्टाहार और स्वास्थ्य विभाग में भी लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरने की तैयारी है।नए साल की शुरुआत में ही युवाओं के लिए एक और सौगात के रूप में 32,679 पुलिस कर्मियों की सीधी भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है।सरकार का कहना है कि आने वाले महीनों में पुलिस विभाग में करीब 50 हजार और पदों पर भी भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे प्रदेश की कानून-व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी।रोजगार के साथ-साथ सरकार निवेश और औद्योगिक विकास को भी तेज गति से आगे बढ़ा रही है। इसी कड़ी में पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) का आयोजन किया जाएगा, जिसके माध्यम से पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की तैयारी है। सरकार का दावा है कि अब तक चार जीबीसी के जरिए 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं, जिनसे 60 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है।

नए साल में डेढ़ लाख सरकारी नौकरियों की यह पहल न केवल युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करेगी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान करेगी।

2026 में पीसीएस से आईएएस बनने की सूची तय, कई जिलों के अफसरों का प्रमोशन पक्का

» **2010-2011 बैच के 22 अधिकारियों को नए वर्ष का बड़ा तोहफ़ा**

» **प्रशासनिक अनुभव और उल्लेखनीय कार्य के आधार पर चयन**

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक सेवाओं के लिए वर्ष 2026 बेहद अहम साबित होने वाला है। राज्य सरकार ने पदोन्नति प्रक्रिया के तहत 2010 और 2011 बैच के कई पीसीएस अधिकारियों को आईएएस कैडर में शामिल करने की तैयारी पूरी कर ली है। सूची में विभिन्न मंडलों और ज़िलों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल रहे 22 अफसरों के नाम शामिल हैं।2026 में आईएएस बनने वाले पीसीएस अफसरों में 2010 बैच के डॉक्टर विश्राम (अपर आयुक्त, मिर्जापुर), अशोक कुमार कनौजिया (संयुक्त निदेशक, युवा कल्याण, लखनऊ), पुष्पराज सिंह (सचिव, जीडीए गोरखपुर), संजय कुमार सिंह (एडीएम ई, मुज़फ्फरनगर), राजकुमार द्विवेदी (अपर आयुक्त, मिर्जापुर), राकेश कुमार पटेल (अपर आयुक्त, लखनऊ), सुशीला (अपर आयुक्त, कानपुर) और आलोक कुमार (एडीएम एफआर, गोंडा) शामिल हैं।

वहीं 2011 बैच से वैभव मिश्रा (एडीएम एफआर, कुशीनगर), विवेक श्रीवास्तव (सचिव, एलडीए लखनऊ), योगानंद पांडेय (एडीएम सिटी, अयोध्या), प्रदीप कुमार यादव (एडीएम, सहारनपुर), अमित कुमार (अपर आयुक्त, मेरठ), पूनम निगम (उप सचिव, यूपी पीसीएस, प्रयागराज), डॉ. नितिन मदान (एडीएम ई, रामपुर), हर्ष देव पांडेय (परीक्षा नियंत्रक, यूपी पीसीएस, प्रयागराज), शैलेंद्र कुमार सिंह (ओएसडी, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण), नरेंद्र बहादुर सिंह (एडीएम एफआर, लखीमपुर खीरी), संतोष कुमार सिंह (एडीएम ई, सहारनपुर), पंकज वर्मा (सचिव, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण) और विजय कुमार सिंह (सीआरओ, देवरिया) का नाम शामिल है।इन अधिकारियों को उनके अनुभव, प्रशासनिक दक्षता और सेवा रिकॉर्ड के आधार पर आईएएस पदोन्नति सूची में जगह मिली है

ऑपरेशन लंगड़ा ने खूब बटोरी सुर्खियां

अपराधियों के लिए बनी काल इटावा पुलिस !

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इटावा। बीता हुआ साल 2025 अधिकारियों पर पुलिस के करारे प्रहार के नाम पर रहा।सिर्फ अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए ही पुलिस दौड़ी और एसएसपी बृजेश श्रीवास्तव के निर्देशन में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत गंभीर अपराध करने वाले अपराधियों के खिलाफ ठोस साक्ष्य संकलन करने के साथ।पुलिस ने अपराधियों को सजा दिलाने के लिए भी काफी दौड़ भाग की।हत्या के चार मामलों में 12 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा दिलवाई तो वही पोक्सो एक्ट एवं बलात्कार के कुछ मामलों में तो पुलिस ने कई केसों में रिकॉर्ड दिनों में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल करने के साथ काफी कम दिनों में सजा भी दिलवाई।

पुलिस की मजबूत पैरवी से दुष्कर्मी को हुआ आजीवन कारावास.थाना इकदिल पुलिस ने 24 फरवरी 2023 को छह वर्षीय एक नाबालिग के साथ संजय राजपूत द्वारा घर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस के ठोस साक्ष्यों के आधार पर

कोर्ट ने आजीवन कारावास एवं एक लाख रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

इसी क्रम में बताते चले कि शांत स्वभाव के कर्तव्यनिष्ठ व न्यायप्रिय आईपीएस अफसर बृजेश श्रीवास्तव के जनपद इटावा में एसएसपी के रूप कार्यभार में संभालने के बाद से ही पुलिस बदमशों पर काल बनकर टूट रही है।

उनके निर्देशन पर अपराधियों के सत्यापन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है,जिससे अपराध जगत में इन दिनों हड़कंप मच गया है।कई संगीन घटनाओं का पूरी ईमानदारी के साथ खुलासा कर पुलिस की छवि को बेहतर साबित किया।सबसे बड़ा खुलासा 70 लाख कीमत के 202 खोये हुए मोबाइल फोन की बरामदगी और सुपुर्दगी शामिल है।इसी दौरान 40 मुठभेड़ में 45 शातिर बदमाश पुलिस के गोली से घायल हुए है।जबकि कई शातिरों खिलाफ गैंगस्टर एक्ट,गुंडा एक्ट और जिला बदर की निरोधात्मक कार्रवाई की गईं। माफिया पर कसा शिकंजा 6 करोड़ की सम्पत्ति कुर्क की गई। बताते चले कि पूर्व से अपराध जगत में सक्रिय दो भू–माफियाओं इंद्रपाल सिंह व अशोक यादव की 6 करोड़ 2 लाख सम्पत्ति को कुर्क कराया गया।

अवैध शस्त्र फैक्ट्री का किया भंडाफोड़ भी किया गया ।थाना बिकेवर पुलिस टीम ने चंबल के जंगलों में चल रही अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर भरी मात्रा में अवैध हथियारों का जखीरा व कारतूस तथा शस्त्र बनाने के उपकरण आदि बरामदगी करने का काम किया है.वही लगभग 25 लाख कीमत की अवैध शराब की बरामदगी हुई।और चोरी के वाहनों का सफल खुलासा करने के साथ ही आरोपियों को जेल भेजना भी शामिल है।वही एसएसपी बृजेश श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन पर जनपद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से लूट–छिनैती,चोरी,डकैती आदि घटनाओं का सफल अनावरण किया।

मिशन शक्ति 5.0 को किया बेहतर

एसएसपी के मुताबिक महिलाओं की सहायता और काउंसलिंग को क्रियाशील किए गए।पुलिस स्टेशनों पर मिशन शक्ति केंद्रों की स्थापना की गई।त्वरित निस्तारण के लिए महिला संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जिसका औसत रिस्पॉन्स टाइम मात्र 8 से 10 मिनट रहा।इटावा जनपद को अपराध मुक्त और भयमुक्त बनाने की दिशा में एसएसपी द्वारा ठोस कदम उठाए है.उनका साफ संदेश है-अपराधी अपराध छोड़ या फिर जनपद छोड़े,नहीं तो उसकी जगह अब क्षेत्र में नहीं जेल अथवा यमलोक में होगी.क्योंकि कानून से बचने का रास्ता पूरी तरह बंद हो चुका है.

आईजी प्रवीण कुमार बने एडीजी, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर डीआईजी पद पर प्रोन्नत

आईजी प्रवीण कुमार

एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या रेंज के लिए यह क्षण गर्व और सम्मान से भरा है। आईजी प्रवीण कुमार को एडीजी पद पर प्रोन्नति दिए जाने और जनपद अयोध्या के एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर को डीआईजी पद पर पदोन्नत किए जाने की घोषणा के साथ ही पुलिस महकमे और जिले भर में खुशी की लहर दौड़ गई है। दोनों ही अधिकारी अयोध्या में अपनी कर्मठ कार्यशैली, अनुशासनप्रियता और जनसंवेदनशील प्रशासन के लिए विशेष रूप से पहचाने जाते रहे हैं। आईजी प्रवीण कुमार का अयोध्या में कार्यकाल सख्त कानून-व्यवस्था, निष्पक्ष पुलिसिंग और बेहतर समन्वय का प्रतीक रहा है। रामनगरी जैसी संवेदनशील नगरी में उन्होंने बड़े धार्मिक आयोजनों, वीआईपी दौरों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच शांतिपूर्ण, सुरक्षित और अनुकरणीय व्यवस्था कायम कर प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया। अपराध नियंत्रण के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के मनोबल को ऊंचा रखना उनकी कार्यशैली की बड़ी पहचान रही है, जिसके चलते वे अयोध्या के सबसे लोकप्रिय आईजी के रूप में स्थापित हुए।

वहीं एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने जनपद अयोध्या में रहते हुए तेज, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी पुलिसिंग का उदाहरण प्रस्तुत किया। अपराधियों पर सख्ती, त्वरित खुलासे, पीड़ितों को न्याय और आमजन में सुरक्षा का भरोसा यह सब उनकी कार्यशैली की पहचान बनी। रामनगरी में कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के साथ–साथ उन्होंने पुलिस और जनता के बीच विश्वास का सेतु खड़ा किया।

दोनों अधिकारियों की पदोन्नति न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह संदेश भी है कि कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और जनहित में किया गया कार्य कभी अनदेखा नहीं होता। अयोध्या को ऐसे अफसरों पर गर्व है और पूरे जनपद ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ इस उपलब्धि का स्वागत किया है।

कप्तान ने अपने टीम के साथ देर रात तक सतर्कता व सुरक्षा के प्रतिआम जन को जागरूक किया

संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों कीगयी चेकिंग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रतापगढ़। एसपी प्रतापगढ़ द्वारा कल से शुरू हो रहे नववर्ष के दृष्टिगत कोतवाली नगर क्षेत्र में पैदल गश्त एवं व्यापक चेकिंग अभियान पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर द्वारा आगामी नये वर्ष के दृष्टिगत जनपद में शांति एवं कानून–व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आज दिनांक 31.12.2025 को देर रात तक अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी शैलेन्द्र लाल, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर प्रशान्त राज, क्षेत्राधिकारी यातायात अनिल कुमार राय व प्रशिक्षु आईपीएस मो0 आफताब आलम के साथ थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत भरत चौक, श्रीराम तिराहा, पंजाबी मार्केट एवं सर्राफा मार्केट में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया गया।गश्त के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा बाजार क्षेत्र, भीड़भाड़ वाले स्थानों तथा संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन करते हुए संबंधित पुलिस बल को क्षेत्र में निरंतर प्रभावी गश्त, सक्रियता तथा त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।इस दौरान स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों एवं दुकानदारों से वार्ता कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं सुरक्षा संबंधी अपेक्षाओं को सुना गया तथा उन्हें सतर्कता व सुरक्षा के प्रति जागरूक किया ।

अयोध्या भाजपा : संगठन नहीं, सत्ता की चौसर

अध्यक्ष कौन? या किसका अध्यक्ष ? विचारधारा बनाम आयातित राजनीति

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी की राजनीति में भाजपा का महानगर संगठन आज जिस मोड़ पर खड़ा है, वहां सवाल यह नहीं है कि अध्यक्ष कौन बनेगा, बल्कि असली सवाल यह है कि अध्यक्ष किसका होगा। संगठन, विचारधारा और कैडर की पार्टी कही जाने वाली भाजपा अयोध्या महानगर में अब गुटों, आयातित नेताओं और दलबदलू राजनीति की प्रयोगशाला बनती दिख रही है। लंबी जद्दोजहद और अंदरूनी खींचतान के चलते भाजपा आज तक न जिला अध्यक्ष तय कर पाई, न महानगर अध्यक्ष। एक साल से अधिक समय में यह असमर्थता संगठन की जड़ में बैठी गुटबाजी को उजागर करती है। महानगर में कम से कम चार प्रभावी गुट सक्रिय हैं, जिनका लक्ष्य संगठन को मजबूत करना नहीं, बल्कि अपना आदमी कुर्सी पर बैठाना है। भाजपा की पहचान रहे पुराने जनसंघी और खाटी कार्यकर्ता आज खुद को संगठन में अनाथ महसूस कर रहे हैं। उनका आरोप है कि आज विधायक हों या महापौर अधिकांश नेता सत्ता-सुख की नाव पर सवार होकर आए हैं, जिनका भाजपा की मूल विचारधारा से रिश्ता उतना ही कमजोर है जितना बालू से तेल निकालना।

बता दे कि 80 के दशक के जनसंघ काल के नेता विश्वनाथ दास शास्त्री, अवधेश दास शास्त्री, हरिशंकर सिंह, गया प्रसाद सिंह आज भी असली भाजपा के प्रतीक माने जाते हैं, क्योंकि उन्होंने संगठन को कार्यकर्ता के साथ जोड़कर चलाया। इसके उलट आज का संगठन आयातित चेहरों और उनके जेबी (जेब भरू) कार्यकर्ताओं से पहचाना जाने लगा है।

भाजपा महानगर संगठन पर यह आरोप गहराता जा रहा है कि दलबदल कर आए नेता न सिर्फ संगठन पर कब्जा कर रहे हैं, बल्कि अपने निजी समर्थकों को पद दिलाकर संगठन को निजी कंपनी की तरह चला रहे हैं। नतीजा खाटी कार्यकर्ता पदविहीन, हताश और साइडलाइन।महानगर अध्यक्ष पद के लिए दर्जन भर नाम चर्चा में हैं कमलेश श्रीवास्तव, डॉ. राकेश मणि त्रिपाठी, कमलाकांत सुंदरम, शैलेंद्र कोरी, हरिभजन गौड़, तिलक राम मौर्य, संजय शुक्ला, परमानंद मिश्रा, अभिषेक मिश्रा सहित अन्य। लेकिन असली लड़ाई नामों की नहीं, खेमों की है पूर्व सांसद लल्लू सिंह, सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी हर कोई अपने-अपने खेमे से अध्यक्ष बनवाना चाहता है।

वर्तमान महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव—जो कभी बसपा से भाजपा में आए—तीसरे कार्यकाल की दावेदारी कर रहे हैं। पार्टी के भीतर ही सवाल उठता है कि जिन बैठकों में 3-4 पदाधिकारी बुलाकर कोरम पूरा कर लिया जाए, वहां संगठन का विस्तार कैसे होगा? दबी जुबान पदाधिकारी कहते हैं कि वे आज भी मंडल स्तर के खाटी कार्यकर्ताओं के नाम तक नहीं बता सकते। ब्राह्मण वर्ग से राकेश मणि त्रिपाठी, संजय शुक्ला, परमानंद मिश्रा और अभिषेक मिश्रा की दावेदारी है। राकेश मणि त्रिपाठी की शालीन छवि, पिता डॉ. बांके बिहारी मणि त्रिपाठी का 40 वर्षों का संगठनात्मक अनुभव और प्रदेश स्तर तक पैठ उन्हें मजबूत बनाती है। संजय शुक्ला को समयाभाव और गुटीय राजनीति नुकसान पहुंचा रही है। परमानंद मिश्रा की अक्खड़ शैलीकार्यकर्ताओं में असहजता पैदा करती है। अभिषेक मिश्रा निगम चुनाव के बाद किसी भी खेमे में फिट न बैठ पाने के कारण सबसे कमजोर स्थिति में माने जा रहे हैं।

यदि महानगर अध्यक्ष अनुसूचित जाति वर्ग से तय होता है तो शैलेंद्र कोरी और हरिभजन गौड़ जैसे आयातित नेता सामने आ सकते हैं जो संगठन से ज्यादा अपने-अपने राजनीतिक संरक्षकों के भरोसे आगे बढ़ते दिखते हैं।

महानगर भाजपा की सबसे बड़ी विफलता यह है कि वर्तमान नेतृत्व सभी गुटों को साथ लेकर नहीं चल पाया। संगठन कार्यकर्ताओं के लिए नहीं, गुटों की कुश्ती का अखाड़ा बन गया है। अयोध्या भाजपा महानगर में संकट व्यक्ति का नहीं, दिशा का है। जब तक संगठन विचारधारा और कैडर की ओर लौटकर निर्णय नहीं लेता, तब तक अध्यक्ष की कुर्सी यूं ही विवादों की चौसर बनी रहेगी।

सिर्फ एड्रेस के लिए बुलाया था?

सीएमओ दफ्तर में बिफरी डॉ. रंजू बनौधा, मीडिया से भिड़ंत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।ओवरडोज कांड में बदनाम हो चुके निर्मला हॉस्पिटल का लाइसेंस रद्द होने के बाद भी अस्पताल प्रबंधन की अकड़ कम होने का नाम नहीं ले रही। एक आईसीयू स्टाफ के रहस्यमय ढंग से गायब होने के मामले में जब अस्पताल की प्रबंधिका डॉ. रंजू बनौधा को सीएमओ कार्यालय तलब किया गया, तो जांच के बजाय वहां हंगामा, बहस और बदसलूकी देखने को मिली। सीएमओ द्वारा पूछताछ शुरू होते ही डॉ. रंजू बनौधा सवालों से बचती नजर आईं। सीएमओ ने पूछा आपके अस्पताल का आईसीयू स्टाफ कहां है? इस पर डॉ. रंजू बनौधा

झल्लाते हुए बोलीं हमें सिर्फ एड्रेस पूछने के लिए बुलाया गया है?

सीएमओ ने जिम्मेदारी तय करते हुए कहा कि स्टाफ की जवाबदेही अस्पताल प्रबंधन की है। इस पर डॉ. रंजू बनौधा का जवाब और भी चौंकाने वाला रहा हमने किसी को सड़क से उठाकर नहीं रखा है।जब सही पता

बताने को कहा गया तो वह बार-बार यही दोहराती रहीं कि केवल एड्रेस के लिए ही बुलाया गया है। पूरे घटनाक्रम की रिकॉर्डिंग कर रहे पत्रकारों पर भी डॉ. रंजू बनौधा भड़क उठीं।

उन्होंने तीखे लहजे में कहा आप लोग मेरा वीडियो क्यों बनाते हैं? तभी सीएमओ ने कहा यही आपकी भाषा है? जिसकी वजह से स्थिति बिगड़ गई है। आरोप है कि मोबाइल छीना-झपटी तक की नौबत आ गई।

मामले को बिगड़ता देख सीएमओ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा

पूरा मौका दिया गया, लेकिन यह पूरा मामला आपके ही कारण यहां तक पहुंचा है। लाइसेंस रद्द होने के बाद भी निर्मला हॉस्पिटल की कार्यशैली पर उठते सवाल और सीएमओ कार्यालय में हुआ यह तमाशा यह साफ करता है कि स्वास्थ्य विभाग की सख्ती से घिरे निजी अस्पताल अब जवाबदेही से बचने के लिए टकराव का रास्ता अपना रहे हैं। अब देखना यह है कि यह हंगामा सिर्फ खबर बनकर रह जाता है या डॉ. रंजू बनौधा पर ठोस कार्रवाई भी होती है।

डिप्रेशन में डूबे बैंक मैनेजर ने सरयू में छलांग लगाकर दी जान !

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

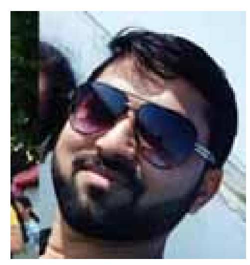

अयोध्या।कोतवाली अयोध्या क्षेत्र अंतर्गत गोरखपुरङ्कअयोध्या हाईवे स्थित पुल से सरयू नदी में कूदकर एक बैंक मैनेजर ने आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देर शाम शव बरामद कर कब्जे में लिया और मामले की गहन छानबीन शुरू कर दी है।मृतक की पहचान रामबाबू सोनी (39) निवासी जवाहर नगर, मनकापुर (जनपद गोंडा) के रूप में हुई है। वह बहराइच स्थित भारतीय स्टेट बैंक में शाखा प्रबंधक के पद पर तैनात थे। पुलिस के अनुसार बुधवार दोपहर करीब 12 बजे रामबाबू सोनी संदिग्ध परिस्थितियों में गोरखपुर हाईवे पर पुल के पास पहुंचे। काफी देर तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद शाम करीब आठ बजे गोताखोरों की मदद से शव बरामद किया गया।कोतवाल अयोध्या पंकज सिंह ने बताया कि मृतक के पास से मोबाइल फोन बरामद हुआ है। वह पीठ पर बैग लादे हुए नदी में कूदे थे। प्रारंभिक जांच में उनके अवसाद में होने की बात सामने आ रही है, हालांकि आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।घटना ने एक बार फिर मानसिक तनाव और दबाव में जी रहे प्रोफेशनल्स की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

GEN-Z की नई पसंद बनी अयोध्या, आस्था में डूबा नववर्ष का जश्न

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या अब केवल श्रद्धा का केंद्र नहीं, बल्कि युवाओं का ट्रेंडिंग आध्यात्मिक पर्यटन स्थल बनकर उभरी है। प्रतिष्ठा द्वादशी और नववर्ष की पूर्व संध्या पर बड़ी संख्या में युवा श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे, जिससे राम मंदिर परिसर, हनुमानगढ़ी, राम की पैड़ी और सरयू घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा।

जयपुर, शिमला और मनाली जैसे पारंपरिक पर्यटन स्थलों को पीछे छोड़ते हुए युवाओं ने इस बार रामलला के दर्शन को प्राथमिकता दी। 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति ने यह संकेत दिया कि नई पीढ़ी अब

भक्ति और आधुनिकता को साथ लेकर चल रही है। दर्शनीय स्थलों पर सेल्फी और सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करने की होड़ भी साफ दिखाई दी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, चौड़ी सड़कों, आधुनिक रेलवे स्टेशन और राम पथ ने अयोध्या की तस्वीर बदल दी है। प्रशासन के अनुसार, सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराए जा रहे हैं।आस्था, सुविधा और आध्यात्मिक शांति के इस संगम ने अयोध्या को युवाओं की नई यात्रा पहचान दिला दी है।

लखनऊ में वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम गायब, फैजुल्लागंज बना हॉटस्पॉट

सीईओ नवदीप रिणवा ने मौके पर जाकर की जांच, 1500 से घटकर करीब 800 रह गए मतदाता

यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से पहले चल रहे 'विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान' (एसआईआर) के दौरान वोटर लिस्ट में भारी गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। राजधानी लखनऊ के फैजुल्लागंज क्षेत्र के भाग संख्या 308 में चौंकाने वाली स्थिति बनी, जहां एक ही बूथ पर मतदाताओं की संख्या अचानक आधी हो गई।

सूचना मिलते ही यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा खुद मौके पर पहुंचे और बूथ रजिस्टर, दस्तावेजों के साथ-साथ राजनीतिक दलों के बीएलए तथा निर्वाचन आयोग के बीएलओ से बातचीत की।जांच में यह तथ्य सामने आया कि बड़े पैमाने पर नाम कटने के पीछे प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि मतदाताओं के दोहरे पंजीकरण, पते के बदलाव और सर्वे के दौरान अनुपलब्ध रहने की स्थिति प्रमुख कारण रही।

फैजुल्लागंज में बड़ी संख्या में ऐसे लोग रहते हैं जिनकी मूल निवास कहीं और है। गणना प्रपत्र भरने में हिचक और पैतृक क्षेत्र की वोटर लिस्ट से नाम कटने के डर में कई लोगों ने दस्तावेज जमा नहीं किए। नियमों के अनुसार ऐसे मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए। प्रदेश के 75 जिलों में लखनऊ सबसे ज्यादा नाम विलोपन वाला जिला बन गया है। प्रशासन इसे मतदाता सूची के शुद्धिकरण और फर्जी मतदान रोकने के लिए बड़ी उपलब्धि मान रहा है।

युगधारा फाउंडेशन के वार्षिकोत्सव में बही साहित्य-संस्कृति की धारा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हरिद्वार। युगधारा फाउंडेशन लखनऊ और मुक्तक लोक लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में हरिद्वार में दो दिवसीय अष्टम वार्षिकोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेशचंद्र शास्त्री ने किया। अध्यक्षता देहरादून हिंदी साहित्य समिति के अध्यक्ष प्रो. डॉ. राम विनय सिंह ने की।

मंच पर श्रीमती गीता अवस्थी, डॉ. कृपा शंकर मिश्र, डॉ. ऋतुध्वज सिंह, श्री अश्विनी कुमार, श्री सुशील कुमार झा, डॉ. शिव मोहन सिंह और डॉ. राम कृष्ण वि सहस्रबुद्धे विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम में हिंदी साहित्य, संस्कृति और समकालीन सृजन पर डॉ. कृपा शंकर मिश्र, डॉ. रामकृष्ण वि सहस्रबुद्धे, डॉ. शिवमोहन सिंह और डॉ. ऋतुध्वज सिंह ने अपने विचार रखे। पुस्तक विमोचन सत्र में आईएएस डॉ. ललित नारायण मिश्र मुख्य अतिथि रहे और कई पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। दूसरे दिन डॉ. विद्या सिंह, डॉ. मुकुंद नीलकंठ जोशी, डॉ. श्रीनिवास शुक्ल, डॉ. छगनलाल गर्ग, डॉ. इंदु अग्रवाल और श्री उत्तंक जोशी मंचासीन रहे।सम्मान समारोह में देशभर के प्रतिष्ठित साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। समापन सत्र में कवि सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें रवि शुक्ल, संगीता शुक्ला, श्रीकांत श्री, ब्रिजेंद्र हर्ष, कविता सूद और डॉ. मृदुल तिवारी महक सहित कई रचनाकारों ने काव्य पाठ किया। अंत में महासचिव सौम्या मिश्रा ने आभार व्यक्त किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।